B.A. I 29/1/2022

वेगनर ने संसार के अलग अलग भागो की जलवायु के अन्तर को स्पष्ट करने के लिए समस्त महाद्वीपो और संसार के सम्पूर्ण मानचित्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया
इस कल्पना के आधार पर उन्होने बताया कि दक्षिण अमेरिका के ब्राजील वाला उभरा भाग अफ्रिका की गिनी की खाडी मे भली प्रकार सटाया जा सकता है।
अफ्रिका के पुर्वी तट पर इथोपिया तथा इरिट्रिया का उभरा हुआ भूभाग पश्चिम भारत तथा पाकिस्तान की तटरेखा से संयुक्त किया जा सकता है।
वेगनर ने साम्य स्थापन की कल्पना को स्पष्ट करने के लिए आन्ध्र महासागर के दोनो ओर की भूमि कि रचना का भूगर्भिक इतिहास मे समान है। वेगनर महोदय इस परिणाम पर पहुँचे कि धरातलीय इतिहास के प्रारम्भिक काल अर्थात पुराजीव महाकल्प मे अनेक महाद्वीप परस्पर जुडे हुऐ थे
एक ओर आस्ट्रेलिया अफ्रीका दक्षिण अमेरिका प्रायद्वीपीय भरत और अण्टार्कटिक सभी मिलेहुए रुप मे महाद्वीप का निर्माण करते थे जो गोण्डवाना लैण्ड कहलाता है। दूसरी ओर अमेरिका यूरोप और एशीया उत्तरी महाद्वीप का निर्माण करते थे जो अंगरा लैण्ड कहलाता था। इन दोनो महाद्वीपो के मध्य मे एक संकीर्ण महासागर था जो टेथिस कहलाता थे। वेगनर ने इस संयुक्त भू महाद्वीप का नाम पांजिया रखा गया

पुराजीव कल्प मे पेन्जिया महाद्वीप के कुछ भाग उथले समुद्रो से ढके हुए थे किन्तु इसके चारो ओर पृथ्वी की शेष भाग पर एक ही एकही भू महासागर फैला हुआ था उसीप्रकार तैरता था जिस प्रकार समुन्द्र मे प्लावी हिमशैल तैरा करते है।

वेगनर के अनुसार → कलान्तर मे इस भू महाद्वीप के विभिन्न भाग विदीर्ण होकर विस्थापित होने लगे कार्बन युग मे पेन्जिया के उत्तरी और दक्षिणी दो भाग हो गये तदनन्तर मध्य जीव कल्प के अन्त मे इसके पुर्वी और पश्चिमी भाग भी अलग हो गये। पेन्जिया का इस प्रकार विघटन और विस्थापन अवकल गुरुत्वाकर्षण शक्ति के करण हुआ। महाद्वीपों का विस्थापन विषुवत रेखा की ओर हुआ जो गुरुत्वाकर्षण केन्द्र और महाद्वीपों की प्लवनशीलता के केन्द्र के पारस्परिक सम्बन्ध पर आधारित था-

आलोचना →

1→ इस सिद्धान्त मे साम्य स्थापना के तत्व को दोषी ठहराया गया लुकर्ट ने आन्ध्र महासागर के विपरीत तटो मे साधारण साम्य ही माना है।

2→ विस्थापन के लिए वेगनर ने जिन दो शक्तियों का प्रतिपादन किया उसकी भी आलोचना हुई है।

3→ वेगनर के अनुसार एक प्रवाह विषुवत रेखा की ओर हुआ जो यदि सही है तो सभी महाद्वीपो को विषुवत रेखा के समीप एकत्र हो जाना चाहिए था -

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया